लोककथा

अरूण कमल

कवि परिचय :

अरूण कमल आधुनिक हिन्दी साहित्य में प्रगतिशील विचारधारा के प्रख्यात कवि है। अरूण कमल का वास्तविक नाम 'अरूण कुमार' है । साहित्यिक लेखन कार्य के लिए 'अरूण कमल' नाम अपनाया और यहीं उनकी पहचान बन गया । बिहार के रोहतास जिले के नासरीगंज में उनका जन्म हुआ था । पेशे से पटना विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग के प्राध्यापक हैं । उनकी पहली पुस्तक 'अपनी केवल धार' ने उन्हें एक महत्त्वपूर्ण कवि के रूप में स्थान दिया । उन्होंने कविता के अतिरिक्त आलोचना, अनुवाद आदि में ज्यादा रूचि रखते हैं । समकालीन जीवन की विषमता और परिवर्तन उनकी कविताओं की आत्मा है ।

कविता का सारांश :

'नये इलाके में' - जिसके लिए उन्हें 'साहित्य अकादमी' से सम्मानित किया गया । प्रस्तुत काव्य 'लोककथा' उनके तीसरे काव्य संग्रह 'नये एलाके में' से लिया गया है । 'लोककथा' कविता प्रत्येक पंक्ति एक भयानक आशंका और हिचक के साथ आगे बढती है । कवि बताते हैं कि किसी गाँव में किसान के दो बेटे थे । बडे बेटे की शादी हो चुकी थी और दो मास पहले ही उसकी पत्नी का गौना हुआ था । गौने में बहू को उसके पिता की ओर से ढेर सारे गहने मिले थे । यह खबर डाकूओं तक पहुँच गई ।

डाकू आते हैं और किसान के घर में रात के तीसरे पहर में डकैती होती है । बडा बेटा डाकूओं से गहना बचाते-बचाते उनकी गोलियों का शिकार हुआ और घर की चौखट पर ही उसकी लाश गिरी । किसान पिता के लिए इससे ज़्यादा दुःख के दिन कौन से हो सकते थे ? संसार का क्रम है कि बेटा अपने पिता की अर्थी को कंधा देता है, परंतु यहाँ मजबूर पिता और दादा कंधा दे रहे थे ।

करूणा भरा दिन था । अभी ही गौना करके आई बहू विधवा हो गई । सुबह होते ही अर्थी उठाने की तैयारी की गई । श्मशान यात्रा (अंतिम यात्रा) के लिए किसान का बूढा बाप, खुद किसान और उसका छोटा बेटा कंधा देने लगे । पूरे गाँव से एक इन्सान भी चौथा कंधा देने नहीं आए । डाकूओं के डर से गाँव वाले भी अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हुए ।

ग्रामीण अनपढ़ लोग डाकूओं से डरते हैं । वे पिस्तौल के विरुद्ध आवाज़ उठाने की जगह डर रहे हैं कि डाकू बुरा मान जाएंगे । ग्रामीण लोग यह भूल रहे हैं कि कल यह दिन उनके घर भी आ सकता है ।

स्वतंत्रता पूर्व बिहार जैसे राज्यों में डकैती आम बात मानी जाती थी परंतु आज भी उसमें कोई ज़्यादा बदलाव नहीं आया है । कोई उनके विरुद्ध आवाज़ उठा नहीं सकता । आज़ादी के बाद परिवर्तन के फलस्वरूप वर्तमान भारतीय नागरिक की व्यथा का वर्णन है । मनुष्य ने वैज्ञानिक राह पर तो तरक्की की है परंतु मनुष्य आज बदल गया है, उसके पास दूसरों के लिए करुणा, सम्मान नहीं है। गाँव के स्थूल वर्णनों के ज़रिए मानव मन के सूक्ष्म स्वार्थ पर भी इशारा किया है । आज वह यह भूल गया है कि जो मुसीबत एक किसान पर आई है वह कल किसी अन्य के ऊपर भी आ सकती है । 'लोककथा' एक ऐसी कविता है जो वर्तमान समय के दो महान पहलू हमारे सामने उपस्थित कर देती है, पहला है आज के मानव की संबंधहीनता और संवेदनहीनता । दूसरा पहलू है पिसतौल की शक्ति पर आधारित राजनीति।

उपेक्षित और तिरस्कृत, हाशिए पर खडे लोग दम घुटे सिमटकर पडे हैं । संविधान के अनुसार व्यक्ति अपना मत तो प्रकट कर सकता है पर शासन, कानून सबकुछ पिस्तौल के बल पर चलता दीख पडता है । किसान के बेटे के मरने की खबर और अंतिम यात्रा की बात कानों-कान फैल रही है और जंगल तक पहुँचती है । गाँवों में हिंसा, डकैती की पुश्तैनी रंजिश अब राजनीतिक पार्टियों का अंग बन चुकी है । अर्थात धर्म-निरपेक्षता, समाजवाद, लोकतंत्र की धारणाएँ केवल भारत के संविधान के पृष्ठों की ही शोभा बढाती हैं, भारत की जनता अब भी इनके गुणों से वंचित हैं । कवि ने अपनी कविता में इसी विडंबना को स्थान दिया है । समाज के चारों ओर व्याप्त भय, आतंक, असुरक्षा, विषमता, छल, भ्रष्टाचार आदि के दृश्य देखकर कवि के अंदर इन समस्याओं से लडने के विचार प्रकट होते हैं ।

काव्यगत विशेषताएँ :

इस कविता की अंतिम पंक्तियों में अन्तर्मन के संघर्ष को कवि ने सामाजिक धरातल पर प्रस्तुत किया है । अधिकार की अनियंत्रित वांछा ने किसान जैसे शोषित वर्ग का किस तरह शोषण होता है उस पर प्रकाश डाला है । वर्तमानकालीन समाज में व्याप्त गुंडागर्दी, आतंकवाद, और सामाजिक असुरक्षा के प्रति कवि ने यहाँ अपनी आशंका प्रकट की है । इस

कविता रचना का मुख्य उद्देश लगता है कि मानवीय करूणा की एक ऐसी आवाज़, जिसे कवि अपनी कविता के द्वारा पाठक के सामने रखी गई है ।

एक शब्द या वाक्यांश में उत्तर लिखिए :

१. 'लोकक्था' कवि के कौन से काव्य संग्रह से ली गई है ?

नए इलाके से

२. किसका गौना हुआ था ?

किसान के बडे बेटे की पत्नी का ।

३. आज का मानव क्या बन गया है ?

संबंधहीन और संवेदनहीन

४. डाकूओं के पास कौन सी खबर पहुँच गई ?

किसान के घर के तीन जन ने अर्थी उठाई और बेटे की चिता को बाप ने आग दी ।

५. डाका कब पडा था ?

रात के तीसरे पहर में ।

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

१. एक समय की बात है.... गहना बचाते ।

२. तब तीन जन ने अर्थी ..... सोचो अपने मन में ।

निबंधात्मक प्रश्न :

१. 'लोककथा ' काव्य में कवि ने किस प्रकार अपने मन की व्यथा का वर्णन किया है ?

२. 'लोककथा' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

गौना - कुछ जातियों में बाल विवाह होता था । ऐसे में वधू को पिता के घर से लंबे समय बिदा नहीं किया जाता ।जब वधू थोडी सयानी हो जाती है तब उसे पूरे गाजेबाजे के साथ समारोह करके बिदा किया जाता है । विवाह पश्चात पति का अपने ससुराल से अपनी पत्नी को पहली बार अपने घर ले जाना ।

भैरवी आर पंड्या

पूर्नप्रज्ञा कॉलेज, उडुपि

९८८०४७७७९६